



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2004/26 पोष, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 9 जनवरी, 2004

संख्या पी०सी०एच० (कु०)-त्यागपत्र/रिक्त स्थान.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090, दिनांक 1-12-2003 में सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जरी के वार्ड संख्या 4 पाथला से निर्वाचित पंच श्रीमती गिगनी देवी का दिनांक 12-4-2003 को मृत्यु हो जाने के कारण ग्राम पंचायत जरी के वार्ड संख्या-4 में पंच का पद रिक्त हो गया है। जिसकी पुष्टि ग्राम पंचायत जरी के प्रस्ताव संख्या 3, दिनांक 6-7-2003 में की गई है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) व (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्राम पंचायत जरी, विकास खण्ड कुल्लू में उक्त पद को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू, 9 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-रत्याग-पत्र/रिक्त स्थान-64-68.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090, दिनांक 1-12-2003 में सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत तलपीनी के वार्ड संख्या 5 रशी लीवेहड़ से निर्वाचित पंच श्री मेहर चन्द को दिनांक 4-2-2003 को मृत्यु हो जाने के कारण ग्राम पंचायत कराड़सू के वार्ड संख्या 6 में पंच का पद रिक्त हो गया है। जिसकी पुष्टि ग्राम पंचायत कराड़सू द्वारा जारी जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र में की गई है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) व (4) में प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत तलपीनी विकास, खण्ड कुल्लू में उक्त पद को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू, 9 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच०(कु०)-रत्याग-पत्र/रिक्त स्थान-69-73.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090, दिनांक 1-12-2003 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत खड़ीहार से निर्वाचित उप-प्रधान श्रीमती विद्यावती का दिनांक 23-7-2003 को मृत्यु हो जाने के कारण ग्राम पंचायत खड़ीहार में उप-प्रधान का पद रिक्त हो गया है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) व (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्राम पंचायत खड़ीहार, विकास खण्ड कुल्लू में उप-प्रधान का पद उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू, 9 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-रत्याग-पत्र/रिक्त स्थान-74-78.—क्योंकि विकास खण्ड, नगर की ग्राम पंचायत कराड़सू के वार्ड संख्या 6, भलागी से निर्वाचित पंच श्री मेहर चन्द को दिनांक 26-8-2003 को मृत्यु हो जाने के कारण ग्राम पंचायत कराड़सू के वार्ड संख्या 6 में पंच का पद रिक्त हो गया है। जिसकी पुष्टि ग्राम पंचायत कराड़सू द्वारा अपने प्रस्ताव संख्या 5 दिनांक 11-11-2003 में की गई है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) व (4) से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्राम पंचायत कराड़सू, विकास खण्ड नगर में उक्त पद को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से रिक्त घोषित करता हूँ।

आर० डी० नजीम,  
उपायुक्त।

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

शिमला, 6 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल०-(4) 48/77-53-58.—यह कि ग्राम पंचायत वैश, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला के लेखों का अंशेक्षण करते हुए पाया गया है कि श्रीमती उर्मिला, प्रधान, ग्राम

पंचायत बैश द्वारा पंचायत क्षेत्र में बहुत से विकास कार्य करवाए गये हैं, परन्तु कार्य पूर्ण होने के उपरान्त भी सम्बन्धित मजदूरों/मिस्त्रियों को उनकी अदायगी नहीं की गई है तथा अपने पाय अनर्ना कृत रूप से नगद शेष राशि भी रखी गई है, जिसके कारण न केवल विकास कार्य प्रभावित हुए हैं बल्कि सभा निधि तथा सरकारी धन राशि की भी हानि हुई है। यही नहीं प्रधान द्वारा कार्यवाही भी नियमानुसार लेखबद्ध कर बन्द नहीं की जा रही है। उक्त अनुसार वह अपने कार्य व कर्तव्यों को भली-भांति तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम व नियमों के अनुसार निभाने में असफल रही है।

यह कि श्रीमती उर्मिला द्वारा बर्ती गई गई अनियमितताओं का विवरण कारण बताओ नोटिस में भी वर्णित किया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा कारण बताओ नोटिस संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल०- (4)-48/77-17046-50, दिनांक 21-11-2003 के अन्तर्गत जारी किया गया था। कारण बताओ नोटिस का उत्तर उक्त प्रधान से अधोहस्ताक्षरी को उनके पत्र संख्या पी० ए० एन०-2003-04/50, दिनांक 2-12-2003 के अन्तर्गत प्राप्त हुआ। प्राप्त उत्तर की पुष्टि जिता पंचायत अधिकारी, शिमला द्वारा ग्राम पंचायत के रिकार्ड व अधिलेखों को कार्यालय में पंचायत सचिव बैश से दिनांक 11-12-2003 का मंगवा कर की गई, जिसके अवलोकन पर निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गई हैं।

1. यह कि ग्राम पंचायत की रोकड़ वही से पाया गया है कि प्रधान, श्रीमती उर्मिला के पास अनाधिकृत रूप से मु० 9,000/- रुपये की राशि दिनांक 20-6-2003 से आज दिन तक रखी गई है जिसका समायोजन विभिन्न विकास कार्यों पर नहीं किया गया है जिसके लिए यह राशि निकाली गई है।

2. यह कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला, पनियाहाना मैदान निर्माण हेतु मु० 20,000/- रुपये स्वीकृत हुए हैं पंचायत को इस कार्य के लिए मु० 10,000/- रुपये की अदायगी की जा चुकी है। मौका पर कार्य पूर्ण हो चुका है। तथा इस कार्य का मूल्यांकन 20,325/- रुपये आंका गया है। इस कार्य की दूसरी किश्त मु० 10,000/- रुपये प्रधान द्वारा खण्ड विकास कार्यालय से प्राप्त नहीं की जा रही है जबकि यह कार्य अप्रैल, 2003 में पूर्ण हो चुका है। मु० 10,000/- रुपये की अदायगी कार्य पर नगे मजदूरों/मिस्त्रियों को आज दिन तक नहीं हुई है।

3. यह कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला, करोडी मैदान के निर्माण कार्य के लिए मु० 10,000/- रुपये स्वीकृत हुई है पंचायत को इस राशि में से मु० 5,000/- रुपये की राशि अदा हो चुकी है। यह कार्य अप्रैल, 2003 में पूर्ण हो चुका है जिसका मूल्यांकन 10312.50/- रुपये आंका गया है। मजदूरों/मिस्त्रियों को मु० 5,000/- रुपये की अदायगी की गई बताई गई है परन्तु अभी तक मु० 5,000/- रुपये का वाउचर पंचायत रिकार्ड में प्राप्त नहीं हुआ है तथा शेष राशि मु० 5,000/- रुपये प्रधान द्वारा आज दिन तक खण्ड विकास कार्यालय से प्राप्त नहीं किए गए हैं जिस कारण मजदूरों/मिस्त्रियों को शेष राशि का भुगतान नहीं हुआ है।

4. यह कि चबूतरा निर्माण ग्राम टिकर घाटी के कार्य के लिए मु० 25,000/- रुपये की स्वीकृति हुई है। पंचायत को इस राशि में से मु० 10,000/- रुपये प्रथम किश्त प्राप्त हुई है। यह कार्य मास जून, 2003 में पूर्ण हो चुका है। मु० 10,000/- रुपये प्राप्त राशि की अदायगी हो चुकी है परन्तु शेष राशि मु० 15,000/- रुपये प्रधान द्वारा खण्ड विकास कार्यालय, बसन्तपुर से प्राप्त नहीं किए जा रहे हैं जिसके कारण अदायगी रुकी पड़ी है। इस कार्य के निर्माण वारे श्री भगत राम सुपुत्र श्री मनी राम, ग्राम टिकर घाटी ने ब्यान किया है कि प्रधान दूसरी किश्त की अदायगी व मूल्यांकन रिपोर्ट पूरी तब ही देगी जब उसे इस कार्य में से मु० 5,000/- रुपये की अदायगी करेंगे। इस ब्यान की पुष्टि उप-प्रधान श्री सोहन लाल द्वारा भी श्री भगत राम के ब्यान पर की गई है।

5. यह कि जे० जी० एस० वाई० मडू के अन्तर्गत निर्माण रास्ता डुगी से डुगैण हेतु मु० 10,000/- स्वीकृत हुए हैं तथा यह राशि पंचायत को अदा भी की जा चुकी है। मौका पर कार्य पूर्ण हो चुका है।

पंचायत रिकार्ड में इस कार्य का मूल्यांकन मु0 10,129/- रुपये आंका गया है । परन्तु प्रधान के नाकारात्मक रवैये के कारण आज दिन तक मजदूरों को अदायगी नहीं हुई है ।

6. यह कि जे0जी0एस0वाई0 मदद से निर्माण बावड़ी गांव तून हेतु मु0 14,920/- रुपये की स्वीकृति हुई है और यह राशि पंचायत को अदा हो चुकी है । मौका पर कार्य माह अगस्त, 2003 में पूर्ण हो चुका है । परन्तु मजदूरों को कार्य निर्माण की अदायगी नहीं हुई है । प्रधान को इस कार्य के मु0 7,000/- रुपये रोकड़ अनुसार अदायगी की गई है लेकिन इस राशि के व्यय वाऊचर पंचायत रिकार्ड में अभी तक नहीं दिए गए हैं ।

7. यह कि दिनांक 8-10-2003 की पंचायत बैठक के लिए जो एजेन्डा रखा गया था उस पर विचार-विमर्श हुआ । इस बैठक में श्रीमती उमिला, प्रधान उपस्थित हुईं परन्तु बैठक समाप्त होने पर कार्यवाही बन्द करने हेतु प्रधान द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए गए जिस कारण हुई कार्यवाही पर आगामी कार्यवाही नहीं की जा सकी । जिसके परिणाम स्वरूप बैंक से राशियां नहीं निकाली जा सकी तथा उसके कारण मजदूरों को पूर्ण हुए कार्यों की अदायगी भी नहीं की जा सकी है । यही नहीं दिनांक 7-11-2003 को उक्त प्रधान बैठक में उपस्थित नहीं हुईं परन्तु 9 प्रस्ताव पारित हुए परन्तु लगभग 3.00 बजे पंचायत बैठक में बिना किसी को सूचित किए प्रस्थान कर गई तथा कार्यवाही को इस तरह बन्द नहीं किया गया तथा किसी बैंक व प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए जिससे पंचायत की कार्यवाही ठप्प रही । उसके उपरान्त 23-11-2003 व 23-11-2003 को पंचायत की बैठक व ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित नहीं हुईं ।

8. यह कि उक्त प्रधान दिनांक 29-3-2003 के पश्चात् कभी भी खण्ड विकास कार्यालय, बसन्त-पुर नहीं गई जिस कारण विभिन्न विकास कार्यों की दूसरी व अन्तिम किश्त प्राप्त नहीं की गई जिससे मजदूरों को कार्य पूर्ण होने के उपरान्त भी अदायगी कार्य की नहीं की जा सकी । प्रधान द्वारा चदूतरा निर्माण गांव टिककर घाटी की विकास खण्ड कार्यालय से मु0 10,000/- रुपये दिनांक 29-3-2003 को अन्तिम राशि प्राप्त की गई है ।

9. यह कि ग्राम पंचायत बैश को निम्नलिखित कार्य के लिए धन राशि निर्माण हेतु स्वीकृत हुई है परन्तु प्रधान द्वारा इन कार्यों को आरम्भ करने हेतु अनुबन्ध पत्र नहीं भरे जा रहे हैं जिस कारण कार्य लम्बित पड़े हुए हैं तथा लोगों का विकास कार्य के लिए राशि स्वीकृत होने के उपरान्त भी सुविधाओं व लाभ में वंचित होना पड़ रहा है । लम्बित पड़े विकास कार्यों के विवरण निम्न से है:--

क्र0 सं0	विकास कार्यों का नाम	स्वीकृत राशि	स्वीकृति दिनांक
1.	मुस्मन गांव बही ब्यार लिक रोड	40,000	8-1-2003
2.	निर्माण पक्का रास्ता पलखड़ी-माकड़ी	50,000	18-2-2003
3.	निर्माण बावड़ी नैरटी	11,000	13-3-2003
4.	निर्माण बावड़ी पजैल-जलाणू	11,000	13-3-2003
5.	निर्माण पाईप लाईन पजैल-जमोगी	3,000	13-3-2003
6.	निर्माण बावड़ी गांव कफलोग	30,000	10-6-2003
7.	मुस्मन रा0 प्रा0 पा0 पीपलीधार	50,000	4-9-2003
8.	निर्माण सामुदायिक भवन अम्बिका माता देवरीधार	50,000	23-10-2003
9.	निर्माण खेल मैदान रा0 प्रा0 पा0 बैश	20,000	3-11-2003
10.	निर्माण बावड़ी बाडू	11,000	3-11-2003

इसके अतिरिक्त मुरम्मत रा० प्रा० पा० माकड़ी के लिए मु० 50,000 रुपये स्वीकृत हुए हैं जिसका प्रधान द्वारा अनुबन्ध भी भर दिया गया है परन्तु गत लगभग छः मास से कार्य आरम्भ नहीं किया गया।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि श्रीमती उमिला प्रधान, ग्राम पंचायत बैश, पिकास खण्ड बसन्तपुर अपने कार्य-व-कर्त्तव्यों को हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम व उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन भली-भांति निभाने में विफल रही है। उसके कारण बताओ नोटिस के उत्तर पर यह पाया गया है कि न केवल विकास कार्य ही प्रभावित हुए हैं। परन्तु मजदूरों को कार्य पूर्ण होने पर अदायगी नहीं हो रही है। जनता को स्वीकृत विकास का कार्य लाभ भी नहीं मिल रहा है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त कार्यालय, शिमला उन शक्तियों के अधीन जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) पठित हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत (सामान्य) नियम, 1997 के अधीन प्रदत्त है का प्रयोग करते हुए श्रीमती उमिला, प्रधान ग्राम पंचायत बैश, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला को प्रधान पद से तत्काल निलम्बित करता हूँ तथा यह आदेश देता हूँ कि यदि उसके पास ग्राम पंचायत बैश की धन राशि अथवा स्टॉक-सामग्री रखी हो तो उसे तुरन्त पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत बैश को सौंप दें।

हस्ताक्षरित/-  
(एस० के० बी० एस० नेगी),  
उपायुक्त, शिमला।

कार्यालय उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

नाहन, 6 जनवरी, 2004

क्रमांक पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (5) 50 (11)/96-44-60.—यह कि श्री भारत भुषण, सदस्य, वार्ड नं० 1, नौहराधार पंचायत समिति, संगडाह, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने दिनांक 20-12-2003 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 123 (1) (ग) के अन्तर्गत अयोग्यता के दृष्टिगत स्वतः ही अपना त्याग-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः मैं, एम० एल० शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 (3) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (2) के अन्तर्गत कथित सदस्य श्री भारत भुषण का त्याग-पत्र स्वीकार कर पंचायत समिति, संगडाह के वार्ड नं० 1, नौहराधार के सदस्य पद को उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन-173001, 8 जनवरी, 2004

संख्या पी० एस०-2-विविध-63/64-II-96-101.—यह कि श्री गुमान सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत टटियाना विकास खण्ड पांवटा साहिब, जिला सिरमौर के विरुद्ध निम्नलिखित आरोप निर्धारित किये गये थे :—

1. निर्माण स्टोरेज टैंक बूटा के निर्माण में मु० 3415.00 रुपये का प्रधान द्वारा छलहरण/दुरुपयोग किया जाना पाया गया।

2. निर्माण स्टोरेज टैंक नावटा के निर्माण में मु0 1956.00 रुपये का प्रधान द्वारा छलहरण किया जाना पाया गया ।
3. निर्माण महिला मण्डल भवन, जगोन के छज्जे में प्रधान द्वारा सरिये का प्रयोग कर कांटेदार तार का प्रयोग किया जाना पाया गया ।

उपरोक्त आरोपों की जांच हेतु श्री गुमान सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत टटियाना, विकास खण्ड पांवटा साहिब को नोटिस जारी किया गया तथा उक्त कार्यों से सम्बन्धित ग्राम पंचायत के रिकार्ड का अवलोकन किया गया। उपरोक्त आरोप सं0 1 व 2 में दर्शाई गई राशि ब्याज सहित प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत के खाता में जमा करवा दी गई है तथा आरोप सं0 3 में छज्जे का निर्माण पुनः प्रधान द्वारा करवा दिया गया है जिसकी तकनीकी रिपोर्ट भी प्राप्त की गई है। अतः श्री गुमान सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत टटियाना, विकास खण्ड पांवटा साहिब के विरुद्ध लगाये गये उपरोक्त आरोपों को समाप्त कर उसको भविष्य में उपरोक्त कृत्यों को पुनः न दोहराने हेतु अन्तिम चेतावनी दी जाती है।

हस्ताक्षरित/-

उपायुक्त,

जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश।